

कविताएँ

1. गाँव की सुबह

सूरज की किरणें आई, धरती पर चमक बिखराई।
चिड़ियों की चहक रही,
नई उमंग ले आई।।

खेतों में हल चलाया,
किसान ने श्रम बहाया।
गाय बछड़े संग आई,
बच्चों ने रोटी खिलाई।।

पेड़ों पर बयार बहती,
हवा मधुर गीत कहती।
गाँव की मिट्टी महक रही,
खुशियों की राहें तकती।।

2. बारिश की बूँदें

बादल गरज रहे,
धरती पर बरस रहे।
पत्तों पर मोती जैसे,
बूँदें चमक रही वैसे।।

कागज़ की नाव बनाई,
बच्चों ने हँसी उड़ाई।
माँ ने पकौड़े बनाए,
घर में सबने आनंद पाए।।

किसान के चेहरे पर हँसी,
फसल लहराई, आई खुशी।
धरती का आँचल गीला हुआ,
मन का हर कोना खिला हुआ।।